भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

22.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 651 का उत्तर

हासन जिले के अरकालागुड्डु के लिए नई रेल लाइन

651. श्री श्रेयस एम. पटेल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को हासन जिले के अरकालागुड्डु को मौजूदा रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली नई रेल लाइन के निर्माण के लिए कोई प्रस्ताव या अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या अरकालागुड्डु के लिए एक नई रेल लाइन के लिए कोई सर्वेक्षण, जांच, व्यवहार्यता अध्ययन या विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई है या प्रस्तावित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार इस क्षेत्र में संपर्क में सुधार करने के लिए श्रवणबेलगोला-होलेनरसिपुरा-अरकालागुड्डू-सोमवारपेट-मदिकेरी-मंगलुरु कॉरिडोर पर एक नई रेल लाइन बनाने पर विचार कर रही है;

(घ) यदि हां, तो इस प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है तथा संबंधित अनुमानित लागत, वित्तपोषण पद्धति तथा प्रस्ताव के अनुमोदन और कार्यान्वयन की अनुमानित समय-सीमा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और मंत्रालय द्वारा इस क्षेत्र में नई रेल लाइन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): अरकलगुड्डु, होलेनरसीपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 22 कि.मी. दूर है, जो आस-पास के क्षेत्रों के लिए परिवहन का केंद्र है। श्रवणबेलगोला और मंगलुरु पहले से ही बरास्ता हासन मौजूदा रेल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। इसके बाद, मडिकेरी को संपर्कता प्रदान करने के लिए,

होलेनरसीपुर-अरकलगुड्डु-कोणनूर-खुशहाल नगर नई लाइन (117 कि.मी.) बरास्ता श्रवणबेलगोला से मडिकेरी तक एक व्यवहार्यता अध्ययन किया गया है। परियोजना में कम यातायात अनुमान है।

<u>रेल बजट:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कर्नाटक राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी निर्माण कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	835 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	7,748 करोड़ रु. (9 गुना से अधिक)

<u>रेलपथ निर्माण:</u>

कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	565 कि.मी.	113 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	1,769 कि.मी.	147.4 कि.मी. प्रति वर्ष

<u>स्वीकृत परियोजनाएं:-</u>

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 2,935 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 10 दोहरीकरण), जिनकी लागत 49,272 करोड़ रु. है, स्वीकृत की गई हैं। इनका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक चालू की गई लाइन की लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2026 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	15	2,034	445	8,836
दोहरीकरण/ बहुपथन	10	901	301	4,562
कुल	25	2,935	746	13,398

<u>हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:-</u>

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	कोत्तूर-हरिहर नई लाइन (65 किलोमीटर)	468
2	हासन-बेंगलुरू नई लाइन (167 किलोमीटर)	1,290
3	बीदर-गुलबर्गा नई लाइन (110 किलोमीटर)	1,543
4	शिवानी-होसादुर्ग सड़क दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	50
5	शिवानी-बिरुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	143
6	होसादुर्ग-चिकजाजुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	260
7	रामनगरम-मैसूरू कहीं-कहीं दोहरीकरण (94 किलोमीटर)	998
8	यलहंका-चन्नसंद्रा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	108
9	यशवंतपुर-यलहंका दोहरीकरण (12 किलोमीटर)	95
10	नेत्रावती-मंगलूरू सेंट्रल दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	28
11	कनकनाडि-पनम्बूर दोहरीकरण (19 किलोमीटर)	350
12	अरसीकेरे-तुमकूर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	758
13	यलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1,104
14	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182
15	हुब्बलि-चिकजाजुर दोहरीकरण (190 किलोमीटर)	1,850
16	होटगी-गदग दोहरीकरण (284 कि.मी.)	2,459
17	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (466 कि.मी.)	6,464
18	जोकट्टे-तोकुर दोहरीकरण (2 कि.मी.)	102

<u>चल रही परियोजनाएं:-</u>

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है, जिन्हें शुरू किया गया है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	मुनिराबाद - महबूबनगर नई लाइन (247 कि.मी.)	3,978
2.	कडूरू - चिक्कमंगलूरू - सकलेशपुर नई लाइन (68 कि.मी.)	908
3.	रायदुर्ग - तुमकूर बरास्ता कल्याणदुर्ग नई लाइन (207 कि.मी.)	4,565
4.	बागलकोट - कुडची नई लाइन (142 कि.मी.)	1,694
5.	तुमकूर – चित्रदुर्ग - दावणगेरे नई लाइन (182 कि.मी.)	2,142
6.	मारिकुप्पम - कुप्पम नई लाइन (24 कि.मी.)	518
7.	गदग - वाडी नई लाइन (257 कि.मी.)	3,668
8.	शिमोगा - राणिबेन्नूरू नई लाइन (96 कि.मी.)	994
9.	हासन - बेलुड़ नई लाइन (32 कि.मी.)	749
10.	धारवाड़ - बेलगाम नई लाइन (73 कि.मी.)	927
11.	होसपेट - हुब्बलि - लोंडा - तिनईघाट- वास्को-द-गामा दोहरीकरण (312 कि.मी.)	4,730
12.	बैयप्पनहल्लि - होसुर दोहरीकरण (48 कि.मी.)	1,160
13.	यशवंतपुर - चन्नसंद्रा दोहरीकरण (22 कि.मी.)	684
14.	बल्लारि - चिकजाजुर दोहरीकरण (185 कि.मी.)	3,342
15.	सिकंदराबाद - वाडी तीसरी और चौथी लाइन (173 कि.मी.)	5,012
16.	बल्लारि - होसपेट तीसरी और चौथी लाइन (65 कि.मी.)	2,372
17.	गुंतकल - वाडी तीसरी और चौथी लाइन (230 कि.मी.)	4,758

भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1	शिमोगा - राणिबेन्नुरू नई लाइन (96 किलोमीटर)	559	283	276
2	बेलगाम - धारवाड नई लाइन (73 किलोमीटर)	581	0	581
3	शिमोगा - हरिहर नई लाइन (79 किलोमीटर)	488	0	488
4	व्हाइटफील्ड - कोलार नई लाइन (53 किलोमीटर)	337	0	337
5	हासन - बेलुड़ नई लाइन (32 किलोमीटर)	206	0	206

कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण की स्थिति का सारांश इस प्रकार है:-

कर्नाटक में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	10123 हेक्टेयर
अधिग्रहित भूमि	6,134 हेक्टेयर (61%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,989 हेक्टेयर (39%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल इनकी सफलता कर्नाटक राज्य सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा उपलब्ध कराया गया प्रथम और अंतिम मील रेल संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगें

- **रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजना के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******